https://archive.org/details/UndatedNurSatguruShahDevoVacha138D/page/n0/mode/1up

All Items on https://archive.org/details/realpatidar

Full Library on https://realpatidar.com/library

ॐ

"श्री नुर सतगुरु शाहा देवो वाचा"

फर्मानजी बिस्मिल्ला हिर्रहमा निर्रहीम

नुर सत्गुरु रमता। सरग मधेथी आव्या।
दसवे तबकथी, नुर सुतगुरु रमता। मोतलजेल आव्या।
नहवे असमान आव्या। ताहा जेबराईल नी जागा छेताहा आव्या।
ताहाथी अरस मध्ये आव्या। आठवे असमान आव्या।
अमरावती माहे आव्या। तेने भिस्त कहीये छे।
ताहाथी नुरसतगुरु रमता साहावे असमान आव्या, ताहा ईंद्र रहे छे।
ताहाथी जेलमन देस आव्या, ताहा आठ दोजख छे। ताहाथी चौथे अमसान आव्या। ताहाथी रुद्र मंडळ आव्या, ताहाना लोकनी देही बर्फ सरीखी छे। आधी देही आगनी छे। ता हाथी नुरसत गुरु रमतो मेरु पर्वत उपर थी नदी वयेतरनी उतरीने, हिमांचल उपरथी, दीपने पोवळे आवीने बैठो छे।
उंच मुळस्थान माहे धरम स्थापीने बैठो छे। ताहाथी नुरसतगुरु आवीने "नवसारी" नगरी माहे, आवीने बैठो छे, पाछे नुरसत गुरुने पालहना देवी परनी छे। राजा सुर चंदने सर्व राज कन्या दान माहे दीधो छे। पांच गुलाम गंगा बाईने दायेजा दीधा छे।

https://archive.org/details/UndatedNurSatguruShahDevoVacha138D/page/n1/mode/1up

Real Patidar Library

https://www.realpatidar.com/library

This book/literature/article/material may be used for research, teaching, and private study purposes. Any substantial or systematic reproduction, redistribution, reselling, loan, sub-licensing, systematic supply, or distribution in any form to anyone is expressly forbidden.

The library does not give any warranty express or implied or make any representation that the contents will be complete or accurate or up to date. The library shall not be liable for any loss, actions, claims, proceedings, demand, or costs or damages whatsoever or howsoever caused arising directly or indirectly in connection with or arising out of the use of this material.

Full terms and conditions of use: http://www.realpatidar.com

About Real Patidar books

Real Patidar's mission is to organize the information on Satpanth religion, which is a Nizari Ismaili sect of Shia branch of Islam, and to make it universally accessible and useful. Real Patidar Books helps readers discover the material on Satpanth online while helping authors and researchers in their studies. You can know more by visiting http://www.realpatidar.com

You can resize and move this box in any PDF Application like Adobe Acrobat Reader.

No specific pages. See whole book.
References by: RealPatidar.com

https://archive.org/details/UndatedNurSatguruShahDevoVacha138D/page/n2/mode/1up

realpatidar.com

ॐ

"श्री नुर सतगुरु शाहा देवो वाचा"

फर्मानजी बिस्मिल्ला हिर्रहमा निर्रहीम

नुर सत्गुरु रमता। सरग मधेथी आव्या।

दसवे तबकथी, नुर सुतगुरु रमता। मोतलजेल आव्या।

नहवे असमान आव्या। ताहा जेबराईल नी जागा छेताहा आव्या।

ताहाथी अरस मध्ये आव्या। आठवे असमान आव्या।

अमरावती माहे आव्या। तेने भिस्त कहीये छे।

ताहाथी नुरसतगुरु रमता साहावे असमान आव्या, ताहा ईंद्र रहे छे। ताहाथी जेलमन देस आव्या, ताहा आठ दोजख छे। ताहाथी चौथे अमसान आव्या। ताहाथी रुद्र मंडळ आव्या, ताहाना लोकनी देही बर्फ सरीखी छे। आधी देही आगनी छे। ता हाथी नुरसत गुरु रमतो मेरु पर्वत उपर थी नदी वयेतरनी उतरीने, हिमांचल उपरथी, दीपने पोवळे आवीने बैठो छे।

उंच मुळस्थान माहे धरम स्थापीने बैठो छे। ताहाथी नुरसतगुरु आवीने "नवसारी" नगरी माहे, आवीने बैठो छे, पाछे नुरसत गुरुने पालहना देवी परनी छे। राजा सुर चंदने सर्व राज कन्या दान माहे दीधो छे। पांच गुलाम गंगा बाईने दायेजा दीधा छे।

realpatidar.com

https://archive.org/details/UndatedNurSatguruShahDevoVacha138D/page/n3/mode/1up

realpatidar.com

पाछे नुर सतगुरु ने नवसारी माहे थी सात जना बीदा किधा छे। जो तमे देवगीरी माहे जावो, जे कोई सुने, सांभळे तेने धरम देवो। ते सात जना नु नाव कहु छुं। तने बीदा कीधा छे। नुरसतगुरु ने सात आदमी दरवीनमा मोकलीया छे। जे जेमात परबोधावने। (१) येक सोपान देव। येक गीन्यानदेव। येक, मुत्काबाई। येक पदमनाभ। ये नागदेव। येक कृष्ण भट। येक चाग भर। य ये सात जना देखीन माहे मोकलीया छे। जे जावो 'सतधरम' दीरवाडो। आने जेमात परबोधो। पाछे सात मानुस दखीन माहे गया छे। मुत्काबाई आने सोपान देव चांगदेव गाव माहे आव्या। ताहा चांगो वाटे सर होतो। तो चांगो ईस्वरनी सेवा करीत होतो। भगती करीत होतो। पाछे ग्नान देव सु कीधु ईस्वर नी पींडी उपर पग राखीने सुतो छे। पाछे येता माह चांगदेव आवीयो छे। कहवा लागो ओर भला मानुस देव उपर पग केम राखीया छे। पाछे गीन्यानदेव कहवा लागो छे, मये जाहा पग राख्या छे, ताहा देव नही। ताहा पग राख्या छे। पाछे गीनन देवने गीन्यान वात सुनाई छे। पछे चागो प्रबोधो छे। पाछे तेहुने धरम दीधो छे। तेने नाव चागदेव साख्यो छे। पाछे ग्नानदेव अव्हाडमाहे आव्या छे। तेन्हे जागे नामदेव फीरत फीरते आव्या छे। जे जागा माहे ज्ञानदेव, मुत्काबाई, बैठो छे। ते वखत ताहा नामदेव आव्या छे। पाछे मुत्काबाई ज्ञानदेव जुगत करवा बैठा छे। ते वखत नामदेव आव्या। पछे मुत्काबाईने जुगत छेपाई। पछी नामदेव कहीयो जो तमे सुकरसु

realpatidar.com

https://archive.org/details/UndatedNurSatguruShahDevoVacha138D/page/n4/mode/1up

realpatidar.com

ते तमे छुपायो। पाछे कृष्ण भट डोबेगांव माहे जायो रहीयो छे।
पछे कृष्णभटने अपनो नाम परमेस्वर राख्या छे। पछे कृष्ण भटने अंजेन कमावो छे। अैसो कीधो जे, आख माहे घालता सर्व नजरबंद होवे छे। तो सब कोईने देखे पछे कृष्ण भट अद्रुस्ट होईने बैठो। तेने कहे लोक देव अद्रुस्ट थया। त्यारे तेने सर्व शास्त्र धुंडीने काहीडया। आने येकमत चलावीया। नाव माहात्मा राख्या छे।
आप परमेस्वर राख्या छे। त्यारे परमेस्वर की मेहर कम थई।
त्यारे कृष्ण भटनी दयेत नीमत पैदा थई। जे कोई दईत होये छे। ते विष्णुनी बराबरी करे छे। ते दईत होवे छे। जे काम विष्णु जे नुर सतगुरु नवसारी माहे छे। तेना हम बंदा सही।
आने हवडातो परमेस्वर होईने बैठो छे। ते सु नाग देवने कहीयो छे। जे कृष्ण भट झक मारे छे। जो आप परमेस्वर कहे छे।
परमेस्वर तो नवसारी माहे बैठो छे। हमे तो तेना बंदा सही हवडातो। कृष्ण भट पापनो लाहो लेसे। आने दोजख जाने कहसे।
ते बदल आप परमेस्वर कव्हावे छे। येती वात नागदेवसु आने राजा सु थई। पछे राजा रामदेव ने, कृष्णभट ने घनु समजावो छे। पन कृष्णभट समझे नही। नही मोन। पाछे राजा रामदेवने कहीयो। जो तुम्हारे गांव माहे थी जावो। पछे कृष्णभट आने ते मागीनने अपने गांव माहे थी काहाडी दीधो छे। जोये कोन देव कहीये छे।
पछे मुत्काबाई कहवा लागी छे। जेहंम हमारी गुरु गम करे छे।
पछे नामदेव कहवा लागो जे बडी तम्हारी गुरु गंम हमे तो साक्षात

realpatidar.com

https://archive.org/details/UndatedNurSatguruShahDevoVacha138D/page/n5/mode/1up

realpatidar.com

मळीयो छे । पाछे मुत्काबाई कहवा लागी छे । जो तम्हे वीस्व देवत मीको छे । पन गुरु गंमनी बात और छे । जो तम्हे जावो अपने परमेसर सु पुछो । जो ये वात साची की झुटी । पछे नाम देव नी अपनी देवनी भत्की कीधी छे । पाछे कृष्ण रुप आवीने उभो रहीयो छे । पाछे नामदेव पुछवा लागो छे । स्वामीजी ज्ञानदेव आने मुत्काबाई वात साची की झुटी ?

पाछे कृष्ण रुप बोल्या जे ज्ञानदेव आने मुत्काबाई बोले ते वात वारु साची छे । जे तारे माथे पर गुरु नही । ते तो गुरु मुखी छे ।

पछे नामदेव पुछीयो छे । जे स्वामी जी हुं गुरु केन्हे करुं ।

पछे कृष्णनाथ बोल्या कहवा लागो । जे मुत्काबाई आने ज्ञानदेव कहे ते तेम्हे करो । पाछे नामदेव आने सोकेसर ये दोनो जब ज्ञानदेव आने मुत्काबाई पासथी 'धरम' लीधी छे । पछे ज्ञानदेवने थोडी बहुत जेमात लगाडी छे ।

पछे नागदेवने कृष्णभट कहवा लागो । अैसा तैसाने सु धरम देसो । हमे तो राजा प्रबोध्या छे । तम्हे अैसा तैसाने सु धरम देसो ।

अैसो ते हुने गुमान कीधी छे । आने ज्ञानदेव सु उर्ध थयो छे । ते वाहाथी चाल्या छे । ते देव गीरी माहे राजा रामदेवने पास गया छे । पाछे ग्यान वात सुनाई छे । ग्यान वात करवा लागा । राजा रामदेव प्रबोध्या छे । आने कृष्ण भट तो गुरु होईने बैठा छे ।

पाछे ताहा रहता रहता केटलावा दीन थया छे । राजा रामदेव ने घेर येकायेक मांग गुलाम होतो । तेन्ही बेटी होती, ते बहुत सुंदर होती ।

realpatidar.com

realpatidar.com

अैसी होती जे पद्मीनी के मुकाबले अैसी ते। मांगीन सुंदर होती।
पछे कृष्णभट तेन्हे आसक थया छे। पाछे ते सु बहुत दील बंधानु।
पाछे ते सु करतब करवा लागा। पाछे पाप तो जाही थयो।
पाछे राजा रामदेवने मालुम थयो। पाछे राजा रामदेवने कृष्णभट ने बोलावियो। आने तेन्हे सीकावन देवा लागो। जे कृष्णभट तम्हे अैसा कर्म नही करीयो। अैसे काम भलेपन नही। जीव सुटे नही। आखीर वखत परमेस्वर पास मुख दिखाडना छे।
पछे कृष्णभट ने कीरी जेबाब कीधो छे। हुंका नादान सु जो तम्हे मुजे सीखावन देसो। हुं तो पोता परमेस्वर। चुकीसे तम्हे ये वात सु जानसो। जो ये मांगी नीने पेटे आवी। तो सु थई। जे मागीन न होये। ये तो आद सत्कीना अवतार छे। म्हारो तो याहा आवनो होतो। देवगीरी माहे। ते बदल ईन्हे तो मांगीनीने पेट अवतार लीधो छे।
पाछे राजा रामदेव सु कृष्णभट ने ये ती वात सभळावी छे।
पछे रामदेवने नागदेव सु सभळावीयो छे। राजा बोल्या जे नागदेव कृष्णभट कहत होतो। अवतार करी थाफा छे। चैथो नाम ते गुंडोबा राडळ ते तो आज कळजुगनो अवतार करी थाफा छे।
अैसा झुटा मारग चलाया छे। परमेस्वर अवतार शा माटे धरे छे।
जे दुखरीत नीवारंन। भत्क उधारंन। धरम स्थापन। दैत छेदन।
परमेस्वर अवतार धरे छे। तो मुर्ख वीचार नही कर्तो।
जो ये च्यार जुग माहे पंच कृष्ण माहात्मानो कोन शास्त्र माहे छे।
आने येहुने सु काम कीधी छे। ते कोई वीचार नही कर्तो।

realpatidar.com

https://archive.org/details/UndatedNurSatguruShahDevoVacha138D/page/n7/mode/1up

realpatidar.com

जो ये च्यार जुग माहे पंच कृष्ण माहात्मानो कोन शास्त्र माहे छे। आने येहुने सु काम कीधो छे। ते कोई वीचार नही कर्तो। तो येहुने पंच कृष्णनो नाम प्रथम नाम ले कृष्णभट। दुसरो नाम ते चागोबा। तिसरो नाम ते दतोबा। चैथो नाम तो चक्रोबा। ये माहात्मानो पंच कृष्ण छे। वळी च्यार मट कीधो छे। दतोबा राउल ने कीधो छे। ते सब झुटा करी दीखाउया छे। लोकने ते जानो। दईत होवे छे। पछे जे कोई तेन्हे कहे पर चाले छे। ते पस्तावो पडसे। च्यार जुगमाहे जे कोई अवतार पायसु बुराई करे छे। ते दईत होवे छे। जे कोई वीस्नु देवनी सेवा करे छे। ते देव होवे छे। पाछे ते मांगी नीनो नाम प्रथम नाम ते जसमाई, ते जेनम नाम। दुसरो नाम ते ब्राम्हण बाई। तीसरो नाम ते भरोबाई। चैथो नामते चैतन माया। अैसा च्यार नाव राख्या छे। पछे भटोबाईने च्यार पुत्र थया छे। येकनो नाम ते दतोबा राउल, तो करता जुगनो अवतार करी थाफा छे। दुसरो ते चागोबा राउल ते तो तरता जुगनो अवतार करी थाफा छे। तिसरो नम चक्रधर ते तो व्दापार जुगनो अवतार करी थाफा छे। चैथो नाम ते गुंडोबा राउल ते तो आज कळजुगनो अवतार करी थाफा छे। अैसा झुटा मारग चलाया छे। जेता दुनीया मा शाख छे। तेटला नावे चालईने झुटा मारम चलाया छे। हो मुनीवरो।

ये श्री नुरसतगोर शाहा देवो वाचा 'संपूर्ण,

लीखीतंग – मुखी विठ्ठल राघो चौधरी, विटवे

मीती फाल्गुन कृ॥१ रोज रविवार धुलीवंदन करिदिन सद्गुरु स्मरण ता. ७/३/२००४ शके १९२५ सवंत २०६०

realpatidar.com

Link: http://www.realpatidar.com/library
email: mail@realpatidar.com